हिंसा
दुर्बल
का शस्त्र है,
अहिंसा
सबल का।
-महात्मा गांधी-

दैनिक
लोकजीवन
www.lokjeewan.com
जयपुर एवं भीलवाड़ा से प्रकाशित राज्य स्तरीय समाचार पत्र
संस्थापक - स्व. डॉ. शिवकुमार जी त्रिवेदी

लोक जीवन में विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें:-
- : जयपुर : -
0141-4038281
- : भीलवाड़ा : -
8306792625

वर्ष- 19 | अंक- 201 | जयपुर. शुक्रवार . | 20 नवम्बर , 2026 | RNI No. RAJHIN/2008/26744 | मूल्य 1 रूपया | पृष्ठ - 4

न्यूज इनबॉक्स

पंचायतीराज चुनाव की मतगणना आज, सुबह 8 बजे से होगी शुरू

जयपुर (कासं)। पंचायतीराज आम चुनाव के तहत जयपुर जिले में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए मतगणना शुक्रवार, 20 नवंबर 2026 को सीकर रोड स्थित श्री भवानी निकेतन कॉलेज ऑफ फार्मेसी, जयपुर में प्रात: 8 बजे से प्रारंभ होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) जयपुर संदेश नायक ने बताया कि जिला परिषद के 57 वार्डों की मतगणना के लिए 5 कक्षों में 98 टेबल तथा जिले की 22 पंचायत समितियों के सदस्य पदों की मतगणना के लिए 22 कक्षों में 145 टेबल निर्धारित की गई हैं। इस प्रकार कुल 243 टेबलों पर मतगणना करवाई जाएगी।

पंचायत समिति सदस्यों की मतगणना के लिए 2,098 मतदान केंद्रों की ईवीएम निर्धारित की गई हैं। प्रत्येक मतगणना टेबल पर एक मतगणना पर्यवेक्षक एवं एक मतगणना सहायक नियुक्त रहेंगे। मतगणना कार्मिकों का प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि मतगणना कार्य में नियुक्त कार्मिकों को प्रात: 6 बजे तक मतगणना स्थल पर पहुंचना होगा। उम्मीदवारों, उनके निर्वाचन अभिकर्ताओं एवं मतगणना अभिकर्ताओं को अधिकृत पहचान पत्र के आधार पर ही प्रवेश दिया जाएगा। प्रत्येक मतगणना कक्ष में एक समय में एक वार्ड की मतगणना होगी। संबंधित वार्ड की ईवीएम की गणना प्रारंभ करने से पहले उसी वार्ड के डाक मतपत्रों की गणना की जाएगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतगणना परिसर में प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों तथा अधिकृत कर्मचारियों के अतिरिक्त अन्य व्यक्तियों को मोबाइल फोन, पेजर आदि ले जाने की अनुमति नहीं होगी। मतगणना कार्मिकों एवं अभिकर्ताओं के लिए निर्धारित पार्किंग स्थल की व्यवस्था की गई है। उन्हें अपने वाहन निर्धारित स्थल पर पार्क करने तथा मोबाइल फोन वहीं सुरक्षित रखने के बाद मतगणना स्थल में प्रवेश करना होगा। मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति केवल इवेंट मैनेजमेंट से जुड़े अधिकृत व्यक्तियों को होगी। उन्होंने बताया कि मतगणना के परिणाम राज्य निर्वाचन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट एवं मीडिया के माध्यम से आमजन तक पहुंचाए जाएंगे। मतगणना से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियां एवं व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई हैं।

चीन में तीन महाशक्तियों का महामंथन

ट्रंप, चिनफिंग और पुतिन के बीच 4 मुद्दों पर बनी सहमति



शेन्जेन (एजेंसी)। चीन के शेन्जेन में आयोजित त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन के बाद रूस, चीन और अमेरिका ने घोषणापत्र अपनाया गया।19 नवंबर को शेन्जेन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंगऔर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई इस ऐतिहासिक मुलाकात के बाद 'शांति की दिशा में रूस-चीन-अमेरिका राष्ट्राध्यक्षों का घोषणापत्र' जारी किया गया।

इसमें संयुक्त राष्ट्र में सुधार करने, रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों के उत्पादन और आपूर्ति को बढ़ाने, तथा परमाणु जोखिमों को कम करने पर चर्चा करने की प्रतिबद्धता जताई गई है। घोषणापत्र के मुताबिक तीनों नेताओं ने अंतरराष्ट्रीय स्थिति पर गहन विचार-विमर्श किया और रणनीतिक स्थिरता तथा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखने का संकल्प लिया। रूसी और अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने इस त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए चीन की सराहना भी की थी।

संयुक्त राष्ट्र में सुधार और ऊर्जा सुरक्षा प्रमुख प्रतिबद्धताओं में शामिल

घोषणापत्र में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्य होने के नाते रूस, चीन और अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र में सुधार करने का संकल्प लिया है, ताकि यह वैश्विक चुनौतियों का अधिक प्रभावी ढंग से सामना कर सके। तीनों देश सभी राष्ट्रों के लाभ के लिए रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों के उत्पादन और आपूर्ति को बढ़ाने पर सहमत हुए हैं और वैश्विक स्तर पर स्थिर ऊर्जा का प्रवाह के महत्व को दोहराया है।

कानूनी मामलों पर नेताओं ने राज्य की सहमति के सिद्धांत और सरकारी अधिकारियों को प्राप्त छूट के सम्मान के महत्व को स्वीकार किया।

वे इस बात पर भी सहमत हुए कि अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय और इसी तरह की अन्य संस्थाओं को अपने अधिकार क्षेत्र का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

तीनों नेता परमाणु जोखिमों पर बातचीत करने के लिए सहमत हुए

घोषणापत्र में इस बात को दोहराया गया कि परमाणु युद्ध कभी जीता नहीं जा सकता और इसे कभी लड़ा भी नहीं जाना चाहिए।इसमें कहा गया है कि तीनों देश परमाणु जोखिमों को कम करने और परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने पर बातचीत करेंगे।

पीएफ निकासी के नियम बदले, कर्मचारियों को बड़ी राहत

अब पीएफ का 90 फीसदी पैसा निकाल सकेंगे कर्मचारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के संगठित क्षेत्र में काम करने वाले करोड़ों वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने कई महत्वपूर्ण बदलावों को मंजूरी दी है। केंद्रीय न्यासी बोर्ड की बैठक में पीएफ की पूर्ण निकासी, खाते में न्यूनतम बैलेंस और सेवानिवृत्ति के बाद किस्तों में रकम निकालने से जुड़े प्रस्तावों को हरी झंडी दी गई। इन फैसलों से नौकरी छूटने, अचानक आर्थिक जरूरत पड़ने और रिटायरमेंट के बाद नियमित आय की आवश्यकता वाले कर्मचारियों को राहत मिलने की उम्मीद है।

नौकरी छूटने पर दो महीने में निकाल सकेंगे पूरा पीएफ

ईपीएफओ ने नौकरी छूटने के बाद पीएफ की पूरी रकम निकालने के लिए निर्धारित प्रतीक्षा अवधि को 12 महीने से घटाकर दो महीने करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। अक्टूबर 2025 में बेरोजगारी की न्यूनतम अवधि दो महीने से बढ़ाकर 12 महीने कर दी गई थी। इससे कर्मचारियों को अपनी पूरी जमा राशि प्राप्त करने के लिए एक साल तक इंतजार करना पड़ रहा था। अब पुराने नियम को बहाल करने का निर्णय लिया गया है। नई व्यवस्था के तहत नौकरी छूटने के बाद लगातार दो महीने बेरोजगार रहने पर सदस्य अंतिम पीएफ सेटलमेंट के लिए आवेदन कर सकेंगे। हालांकि, पेंशन फंड की पूरी राशि निकालने के लिए निर्धारित 36 महीने की प्रतीक्षा अवधि में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

न्यूनतम बैलेंस की सीमा 25 से घटाकर 10 प्रतिशत

पीएफ खाते से आंशिक निकासी करने वाले सदस्यों को भी बड़ी राहत दी गई है। अब तक खाते में कुल जमा राशि का कम से कम 25 प्रतिशत रखना अनिवार्य था। नए प्रस्ताव के तहत इसे घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। यानी कर्मचारी जरूरत पड़ने पर अपनी जमा पूंजी का 90 प्रतिशत तक निकाल सकेंगे। इससे चिकित्सा, शिक्षा और अन्य जरूरी आर्थिक आवश्यकताओं के समय अधिक धन उपलब्ध हो सकेगा।

रिटायरमेंट के बाद किस्तों में निकाल सकेंगे पैसा

ईपीएफओ ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान शुरू



करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। इसके तहत 58 वर्ष की आयु में रिटायर होने वाले सदस्यों को अपना पूरा पीएफ एकमुश्त निकालना जरूरी नहीं होगा। वे अपनी जमा राशि को ईपीएफओ खाते में रखकर निर्धारित अंतराल पर किस्तों में निकाल सकेंगे। खाते में बची हुई राशि पर निर्धारित ब्याज मिलता रहेगा।

इस योजना में कर्मचारी अपनी जरूरत के अनुसार पूरी रकम किस्तों में निकाल सकते हैं या कुछ राशि एकमुश्त लेकर शेष रकम किस्तों में प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा केवल अर्जित ब्याज निकालने का विकल्प भी उपलब्ध होगा। जरूरत पड़ने पर सदस्य योजना को बीच में बंद कर शेष राशि एकमुश्त निकाल सकेंगे। भुगतान अवधि के दौरान सदस्य की मृत्यु होने पर जीवनसाथी या नामित व्यक्ति को निर्धारित शर्तों के अनुसार भुगतान का अधिकार मिलेगा।

6.32 लाख सदस्यों को मिल सकता है लाभ

ईपीएफओ के आंतरिक अनुमान के अनुसार, 55 वर्ष से अधिक उम्र के करीब 6.32 लाख ऐसे सदस्य, जिनके खातों में पांच लाख रुपये से अधिक जमा हैं, इस व्यवस्था से सीधे लाभान्वित हो सकते हैं। इस योजना का उद्देश्य सेवानिवृत्ति के बाद कर्मचारियों को एकमुश्त राशि के बजाय नियमित अंतराल पर धन उपलब्ध कराना है।

गिग और असंगठित क्षेत्र के कामगारों को भी सामाजिक सुरक्षा देने की तैयारी

बैठक में गिग वर्कर्स, प्लेटफॉर्म वर्कर्स और असंगठित क्षेत्र के कामगारों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने पर भी चर्चा हुई। इसके तहत कर्मचारियों को नियोक्ता के पेरोल सिस्टम पर निर्भर हुए बिना डिजिटल माध्यम से अपने पीएफ खाते में स्वैच्छिक योगदान करने की सुविधा देने का प्रस्ताव रखा गया। साथ ही टिप्स, गिफ्ट और ग्रेच्युटी जैसी छोटी-छोटी रकम को यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) से जुड़े खातों में जमा करने की व्यवस्था पर भी विचार किया गया। इससे असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को भविष्य के लिए बचत करने का अवसर मिल सकेगा।

गाली देने से नहीं, सही नीयत और नीति से आगे बढ़ता है देश : मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिक्की के शताब्दी सम्मेलन में कहा कि भारत में प्रगति की रफ्तार बहुत तेज है और देश के लोग तेजी से गरीबी से बाहर निकल रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्लोबल रेटिंग एजेंसियां भारत की तरक्की की तारीफ कर रही हैं। फिक्की के शताब्दी सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है। प्रधानमंत्री मोदी ने साथ ही यह भी कहा कि सुबह-शाम गाली देने से देश आगे नहीं बढ़ता। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की विकास दर करीब 7 फीसदी रहने का अनुमान है। बीते दिन कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान भारत की आर्थिक स्थिति को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि भारत एक आर्थिक आपदा के दरवाजे पर खड़ा है। आज युवाओं को भरोसा नहीं है कि उनकी डिग्री उन्हें नौकरी दिला पाएगी और छात्रों को पेपर लीक से अपना भविष्य बर्बाद होने का डर है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 70 के दशक में जब देश में 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया गया था, तब भारत की आबादी करीब 50 करोड़ थी। गरीबी उस समय भी दूर हो सकती थी, लेकिन नीतियों में कमी रही और दुर्भाग्य से नीयत में भी कमी थी। फिक्की इस बात का



साक्षी है। उन्होंने कहा कि जब सही नीयत से काम हुआ और सरकार सही दिशा में आगे बढ़ी तो सिर्फ 12-13 वर्षों में 50 करोड़ गरीब गरीबी से बाहर निकल आए। यह दिखाता है कि भारत आज जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह सही और सटीक है। इसमें देश की सफलता की गारंटी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 100 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था ने कई दौर देखे हैं।

देश ने लाइसेंस-कोटा राज देखा, राष्ट्रीयकरण का असफल प्रयोग भी देखा। इसके बाद 21वीं सदी में एक ऐसा दौर आया, जब भारतीय अर्थव्यवस्था को 'फ्रेजाइल फाइव' में गिना जाने लगा। हालांकि, पिछले 12 वर्षों में देशवासियों ने अपनी मेहनत से इस स्थिति को बदला है। इसमें युवाओं, किसानों, श्रमिकों और उद्योग जगत से जुड़े लोगों का बड़ा योगदान रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि सिर्फ गाली देने से देश आगे नहीं बढ़ता। प्रधानमंत्री ने फिक्की के 100 वर्षों के सफर का जिक्र करते हुए उद्योग जगत से भविष्य के लक्ष्य तय करने की अपील की। उन्होंने कहा कि फिक्की ने अपने 100 वर्षों में देश के उद्योग जगत को कई उपलब्धियां हासिल करते हुए देखा है। अब समय यह तय करने का है कि भारतीय उद्योग अगले 20 वर्षों में क्या हासिल कर सकता है। विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत की यात्रा में उद्योग जगत अपना योगदान कैसे बढ़ा सकता है, इस पर भी विचार करना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्योग जगत से अपील की कि अगले 20 वर्षों के लिए किए जाने वाले हर दीर्घकालिक निवेश फैसले में 'इंडिया फर्स्ट' को आधार बनाएं। उन्होंने कहा कि इससे देश आत्मनिर्भर बनेगा और कारोबार के विकास के लिए भी नए अवसर खुलेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने महात्मा गांधी का जिक्र करते हुए कहा कि 1930 में गांधी भी यही बात कहकर गए थे और आज इतने साल बाद उन्हें भी यही बात दोहरानी पड़ रही है। उन्होंने कहा, मेरी मत मानो, गांधी की तो मानो। वे भी स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत की बात कहकर गए थे। प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत से अपनी इस बात को भी घर-घर तक पहुंचाने की अपील की।

एग्रीगेटर नीति लागू करने में राजस्थान देश में अव्वल

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने की सराहना



नई दिल्ली/जयपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राजस्थान सरकार द्वारा केंद्र सरकार की मोटर व्हीकल एग्रीगेटर गाइडलाइंस-2025 को राज्य में लागू करने की पहल की सराहना करते हुए राजस्थान को देश का पहला राज्य बताया है, जिसने इन दिशा-निर्देशों को पूर्ण रूप से लागू किया है। उन्होंने अन्य राज्यों से भी राजस्थान की तर्ज पर एग्रीगेटर नीति को अपनाने का आह्वान किया। गडकरी नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा आयोजित 'RIDE: A Showcase of Aggregator and Delivery Services' कार्यक्रम में उन्होंने राजस्थान को देश का पहला राज्य बताया, जिसने केंद्र सरकार की मोटर व्हीकल एग्रीगेटर गाइडलाइंस-2025 को राज्य में पूर्ण रूप से लागू किया है।

कार्यक्रम में देश में एग्रीगेटर एवं डिलीवरी सेवाओं के माध्यम से रोजगार सृजन, आजीविका के अवसरों, चालक कल्याण तथा सुरक्षित और समावेशी परिवहन व्यवस्था के विकास पर चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा 1 जुलाई 2025 को जारी मोटर व्हीकल एग्रीगेटर गाइडलाइंस के अनुरूप राजस्थान ने नियम बनाकर उन्हें लागू किया है। हरियाणा और उत्तर प्रदेश में इन दिशा-निर्देशों को आंशिक रूप से लागू किया गया है। कार्यक्रम में राजस्थान की ओर से प्रमुख शासन सचिव, परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग, भवानी सिंह देथा ने राज्य में एग्रीगेटर सेवाओं के नियमन एवं डिजिटल पंजीकरण के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी दी।

64 विला-कॉटेज खरीद मामला

शिखर अग्रवाल की एसीबी जांच पर रोक लगाने से हाईकोर्ट का इनकार



जयपुर (कासं)। 64 विला-कॉटेज खरीद मामले में आईएएस शिखर अग्रवाल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। राजस्थान हाईकोर्ट ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जांच पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट ने गुरूवार सुबह 10:40 बजे शिखर अग्रवाल की याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के लिए कहा है। अब 18 दिसंबर को अगली सुनवाई होगी।

शिखर ने 17 नवंबर को अपने खिलाफ एसीबी जांच को चुनौती दी थी। इधर, एसीबी ने 18 नवंबर को आईएएस शिखर अग्रवाल सहित गोयल फैशंस प्राइवेट लिमिटेड (अनंता रिसॉर्ट्स) के मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। एसीबी ने मामले में गोयल फैशन्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक मुकुंद शरण गोयल, प्रबंध निदेशक संजय गोयल और अन्य को भी आरोपी बनाया है।

एसीबी ने मामले में 20 विभागों से रिकॉर्ड-डॉक्यूमेंट मांगे थे। मामले की जांच एएसपी प्रशांत कौशिक को दी गई है। जांच अधिकारी जल्द पूछताछ के लिए आईएएस शिखर अग्रवाल सहित अनंता रिसॉर्ट्स के निदेशकों संजय गोयल और मुकुंद शरण गोयल को नोटिस जारी करेंगे। IAS शिखर अग्रवाल, उनकी आईपीएस पत्नी प्रशाखा माथुर, दोनों बेटों और सास-ससुर के ढाई साल के भीतर एक ही कंपनी से 40 विला-कॉटेज खरीदने का खुलासा हुआ था।

खुलासे के बाद शिखर और प्रशाखा को उनके पदों से हटाकर एपीओ कर दिया गया। इसके बाद 31 अक्टूबर को एसीबी ने शिखर अग्रवाल के खिलाफ पीई दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। एसीबी की जांच में चौंकाने वाला नया खुलासा हुआ था कि 35 दिन पहले ही शिखर अग्रवाल ने जयपुर के अनंता रिसॉर्ट में दोनों बेटों के नाम 24 विला 11-11 लाख रूपए में खरीदे थे। जबकि कंपनी के ब्रोशर में कीमत 59-59 लाख रूपए है।

'लोकमंथन'-2026 की स्वागत समिति की बैठक

लोकमंथन से जन-जन तक पहुंचेगी भारतीय संस्कृति और परंपराओं की चेतना : मुख्यमंत्री

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लोकमंथन भारत की सांस्कृतिक चेतना और लोकजीवन की परंपराओं का उत्सव है तथा राजस्थान की धरा पर इसका आयोजन प्रदेश के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा कि बदलते सामाजिक परिवेश में अपनी सांस्कृतिक पहचान और मूल्यों को संरक्षित करना आवश्यक हो गया है। ऐसे में इस लोकमंथन कार्यक्रम के माध्यम से देशभर के विचारकों, विद्वानों और समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों को विचार-विमर्श का साझा मंच मिलेगा। मुख्यमंत्री गुरुवार को जवाहर कला केन्द्र में लोकमंथन-2026 की स्वागत समिति की बैठक को बतौर अध्यक्ष संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकमंथन का मूल भाव राष्ट्र प्रथम के विचार को केंद्र में रखते हुए हमारी गौरवशाली संस्कृति, परंपराओं और ज्ञान विरासत को आगे बढ़ाना है। इस आयोजन के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना और परंपराओं को जन-जन तक पहुंचाने के साथ ही आने वाली पीढ़ी को अपने गौरवशाली अतीत और संस्कारों से परिचित करवाया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रत्येक मांगलिक एवं धार्मिक आयोजन के पीछे विशेष उद्देश्य और सामाजिक संदेश निहित होता है। उन्होंने विवाह की परंपरा का उदाहरण देते हुए कहा कि बहन-बेटियों द्वारा देहरी पूजन की परंपरा परिवार और समाज के बीच संबंधों को मजबूत करने का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में जीवन का प्रत्येक पक्ष परंपरा, अनुशासन और विशेष भाव से जुड़ा हुआ है। मंदिरों में अलग-अलग पहरों से लेकर विवाह समारोहों में अलग-अलग समय के अनुसार मांगलिक गीत गाए जाते हैं। लेकिन समय के साथ हमारी अनेक लोक परंपराएं और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां विस्मृत होती जा रही हैं। आज आवश्यकता है कि हम अपनी इन परंपराओं को समझें, संजोएं और अगली पीढ़ी तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को गुलामी की मानसिकता से मुक्त करने के लिए कर्तव्य पथ, नए संसद भवन और सेवा तीर्थ जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उनकी प्रेरणा से ही राज्य सरकार ने 30 मार्च की जगह प्रतिवर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को राजस्थान दिवस मनाने की





शुरुआत की है। इसी तरह हमारी सरकार ने माउण्ट आबू का नाम आबूराज किया है। वहीं, वेद विद्यालयों के अध्यापकों का मानदेय बढ़ाने और गौ संरक्षण के लिए गौशालाओं को करीब 4 हजार करोड़ रुपये का अनुदान भी दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विदेशों से प्राचीन धरोहरों की वापसी से लेकर आस्थाधामों के विकास तक राष्ट्रीय चेतना के अनेक ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। प्रधानमंत्री के 'विकास भी, विरासत भी' के मूल मंत्र के साथ राज्य सरकार ने भी शेखावाटी की 660 से अधिक हवेलियों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इन हवेलियों के संरक्षण के लिए प्रवासी राजस्थानियों का सहयोग लिया जाएगा। इसी उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा आगामी प्रवासी दिवस (10 दिसंबर) के अवसर पर 8 दिसंबर को शेखावाटी में हेरिटेज मीट का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की धरती वीरता और बलिदान के साथ-साथ कला, साहित्य, संगीत, अध्यात्म, लोकजीवन और सांस्कृतिक वैभव की अनुपम धरा है। यहां की मांड गायकी, घूमर, कालबेलिया नृत्य, कठपुतली कला, फड़ चित्रकला और स्थापत्य परंपरा की दुनिया में विशिष्ट पहचान है। जयपुर में लोकमंथन का आयोजन प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई प्रतिष्ठा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि स्वागत समिति के सदस्य लोकमंथन 2026 के माध्यम से 'हम भारत के लोग' की भावना को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। स्वागत समिति के महासचिव एवं प्रज्ञा प्रवाह के अखिल भारतीय संयोजक जे. नंदकुमार ने कहा कि लोकमंथन लोकजीवन और भारतीय ज्ञान परंपरा के विमर्श का राष्ट्रीय मंच है। उन्होंने कहा कि लोकमंथन-2026 से पूर्व राजस्थान के विभिन्न अंचलों में एक व्यापक यात्रा निकाली गई, जिसके अंतर्गत 'ग्राम दर्शन' जैसे अभूतपूर्व कार्यक्रम संपन्न हुए। उन्होंने कहा कि लोकमंथन के लिए अब तक बड़ी संख्या में युवाओं का पंजीकरण हो चुका है। इन युवाओं की सहभागिता नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और राष्ट्र की मूल चेतना से जोड़ने का अवसर प्रदान करेगी।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने लोकमंथन-2026 के आयोजन स्थल पर विधिवत भूमि पूजन किया। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन में पूर्णाहुति अर्पित की। उल्लेखनीय है कि 'हम भारत के लोग' थीम पर आधारित लोकमंथन-2026 का आयोजन जयपुर के जवाहर कला केन्द्र में 4 से 6 दिसंबर तक किया जाएगा। बैठक में आयोजन समिति की अध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेश अग्रवाल, विज्ञान भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. शिवकुमार सहित संत-महंत एवं विभिन्न क्षेत्रों के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

दैनिक लोकजीवन
जयपुर एवं भीलवाड़ा से एक साथ प्रकाशित
संपादक - स्व. डॉ. विनयकुमार जी तिवारी

स्कूली शिक्षा में अनिवार्य हो फिटनेस कार्यक्रम

पिछले कुछ दशकों से प्रदेश के नागरिकों की फिटनेस में बहुत कमी आई है। इसका प्रमुख कारण है विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम का न होना। रट्टे वाली पढ़ाई की होड़ में हम विद्यार्थियों की फिटनेस को ही भूल गए हैं। आज का विद्यार्थी घर के आंगन में बस पर सवार होकर विद्यालय के प्रांगण में उतरता है। पढ़ाई के नाम पर ज्यादा समय खर्च करने के कारण फिटनेस के लिए कोई समय नहीं बचता है। अधिकांश स्कूलों के पास फिटनेस के लिए न तो आधारभूत ढांचा है और न ही कोई कार्यक्रम है। आज का विद्यार्थी फिटनेस व मनोरंजन के नाम पर दूरसंचार माध्यमों का कमरे में बैठ कर खूब दुरुपयोग कर रहा है। ऐसे में विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास की बात मजाक लगती है। आज के विद्यार्थी के लिए विद्यालय या घर पर आधे घंटे के फिटनेस कार्यक्रम की सख्त जरूरत है। इसमें 15 से 20 मिनट धीरे धीरे दौडऩा तथा विभिन्न कोणों पर शरीर के जोड़ों की विभिन्न क्रियाओं को पूरा करने के बाद शरीर को कूलडाऊन करना होगा।

कम से कम बीस मिनटों तक तेज चलने, दौडऩे व शारीरिक क्रियाओं के करने से रक्त वाहिकाओं में रक्त संचार तेज हो जाता है। अपनी अगली पीढ़ी को संपूर्ण शिक्षित कर सकते हैं जो शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहकर निर्धारित समय तक अपने देश की सेवा कर सकें। इस सबके लिए सरकार को अधिक से अधिक शारीरिक शिक्षकों व खेल प्रशिक्षकों को स्कूलों के साथ जोडऩे का प्रबंध करना होगा जैसा केंद्रीय विद्यालय कर रहे हैं। वे खेल सुविधा व प्रतिभा के हिसाब से विभिन्न खेलों के लिए पार्ट टाइम पूर्व खिलाडियों व प्रशिक्षकों की नियुक्ति कर रहे हैं। हिमाचल को चाहिए कि वह ड्रिल के पीरियड में नैतिक शिक्षा पढ़ाने के स्थान पर व्यायाम करवाए। तभी हम खेल-खेल में आसानी से फिटनेस हर विद्यार्थी को दे सकते हैं। अगर हर विद्यार्थी फिट होगा तो उनमें से खिलाड़ी मिल ही जाएंगे और फिट नागरिक भी।

नशे के विरुद्ध राज्य में काफी काम कर रही है। खेलो हिमाचल के लिए कुछ खेलों में खंड स्तर से राज्य स्तर तक खेल प्रतियोगिताएं भी करवा रही है और इन खेलों में विजेताओं के लिए लाखों के ईनाम भी रखे हैं। मगर इन कुछ खेल प्रतियोगिताओं में केवल कुछ सौ किशोर व युवा ही भाग ले पाएंगे। क्या राज्य के लाखों किशोरों व युवाओं के लिए प्रदेश में कोई फिटनेस कार्यक्रम है? सरकार को इस विषय पर जरूर सोचना होगा। वर्षों से स्कूली स्तर पर फिटनेस कार्यक्रम शुरू करने की बात इस कॉलम के माध्यम से बार-बार हो रही है, मगर हिमाचल प्रदेश का कोई भी सरकारी या निजी स्कूल अपने यहां फिटनेस कार्यक्रम लागू करने में कामयाब नहीं हुआ है। कई बार नए शिक्षा सत्र शुरू होकर खत्म हो गए, मगर फिटनेस कार्यक्रम कहीं भी शुरू नहीं हो पाया है। मगर पिछले वर्ष हिमाचल प्रदेश सरकार ने राज्य के विद्यालयों में विद्यार्थियों की सामान्य फिटनेस के लिए पहले की तरह अनिवार्य रूप से ड्रिल के पीरियड का प्रावधान किया है, मगर राज्य में फिटनेस संस्कृति के अभाव में धरातल पर कुछ भी सकारात्मक नजर नहीं आ रहा है। शिक्षा विभाग के स्कूलों में अब मैदान की जगह कक्षा के कमरे में खेल व व्यायाम की जगह नैतिक शिक्षा को पढ़ाया जा रहा है। अब स्कूलों में सवेरे की सभा में बीस मिनट तक फिटनेस के लिए व्यायाम की बात कही गई है।

शिक्षा का मतलब शरीर व मन दोनों का विकास करना है, तो शिक्षण विषयों के रिपोर्ट कार्ड की तरह स्वास्थ्य के मानकों का रिपोर्ट कार्ड भी प्रत्येक विद्यार्थी का हर स्कूल में अनिवार्य रूप से हो। क्योंकि भाषा व अन्य शिक्षण विषयों की तरह ही स्वास्थ्य के मूल स्तंभ स्पीड, स्ट्रेंथ, इडोरेंस व लचक आदि का प्रायोगिक प्रशिक्षण भी उसी उम्र में शुरू करना होता है। शिक्षण विषयों के लिए तो स्कूलों के पास शिक्षक सहित पूरा प्रबंध है, मगर स्वास्थ्य के घटकों को विकसित करके उनका मूल्यांकन करने की कोई भी सुविधा आज तक उपलब्ध नहीं हो पा रही है। इस विषय पर स्कूलों व अभिभावकों को कई बार चेताया जा चुका है, मगर कोई भी समझने के लिए तैयार नहीं है।

किसी भी देश को इतनी क्षति युद्ध या महामारी से नहीं होती है जितनी तबाही नशे के कारण हो सकती है। आज जब देश के अन्य राज्यों सहित प्रदेश में भी नशा युवा वर्ग पर ही नहीं किशोरों तक चरस, अफीम, स्मैक, नशीली दवाओं तथा दूरसंचार के माध्यमों के दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है, इसलिए सरकार, स्कूल प्रबंधन व अभिभावकों को इस विषय पर जरूरी कदम जल्दी ही उठा लेने चाहिए। यदि विद्यार्थी किशोरावस्था में नशे से बच जाता है तो वह फिर युवावस्था आते आते समझदार हो गया होता है।

माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को विभिन्न विद्याओं में व्यस्त रखने के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस की तरफ मोडऩा बेहद जरूरी हो जाता है। मानव का सर्वांगीण विकास शिक्षा के बिना अधूरा है। शिक्षा की परिभाषा में साफ-साफ लिखा है कि यहां शारीरिक व मानसिक दोनों तरह से बराबर विद्यार्थियों का विकास करना है, जिससे वे आगे चलकर जीवन को सफलतापूर्वक खुशहाल जी सकें। शारीरिक विकास के लिए खेलों के माध्यम से फिटनेस कार्यक्रम बहुत जरूरी हो जाता है। खेल ही वह माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थी को नशे से दूर रखा जा सकता है।

रिश्ते बनाना आसान, उन्हें निभाना असली परीक्षा

रिश्ते बचाने के लिए हमें सुनना भी सीखना होगा। हममें से बहुत लोग सुनते समय वास्तव में सुन नहीं रहे होते, हम भीतर ही भीतर अपने उत्तर की तैयारी कर रहे होते हैं। सामने वाला अपनी पीड़ा बता रहा है और हम तुरंत समाधान देने लगते हैं। वह अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहा है और हम अपने बचाव में तर्क देने लगते हैं।

अच्छे रिश्तों का कोई जादुई सूत्र नहीं है। हम विश्वास देंगे तो विश्वास बढ़ेगा, सम्मान देंगे तो सम्मान बचेगा, सुनेंगे तो संवाद जीवित रहेगा और क्षमा करेंगे तो मन हल्का होगा। रिश्ते संयोग से मिलते हैं, लेकिन उनका बने रहना हमारे चुनावों पर निर्भर करता है। जीवन के हर मोड़ पर हमें यह याद रखना चाहिए कि लोग हमेशा हमारे साथ नहीं रहेंगे, लेकिन उनके साथ बिताया हमारा व्यवहार हमेशा हमारे जीवन का हिस्सा रहेगा। इसलिए रिश्ते केवल बनाए न जाएं, उन्हें निभाया भी जाए। रिश्ते हमारे जीवन की उन चीजों में से हैं जिन्हें हम पाना तो चाहते हैं, लेकिन कई बार संभालने का तरीका भूल जाते हैं।

एक बच्चा बड़ा होता है तो माता-पिता उसके साथ होते हैं, विवाह के बाद दो लोग एक नया संसार बनाते हैं, मित्रता वर्षों तक चलती है, भाई-बहन जीवन के अनेक उतार-चढ़ाव साथ देखते हैं। शुरुआत में रिश्तों में अपनापन सहज होता है। हम एक-दूसरे के लिए समय निकालते हैं, छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखते हैं, एक-दूसरे की खुशी में खुश होते हैं। लेकिन समय बीतने के साथ वही रिश्ता यदि केवल आदत बन जाए और उसमें संवाद, सम्मान और ध्यान कम होने लगे, तो दो लोग साथ रहते हुए भी दूर हो सकते हैं, इसलिए अच्छा रिश्ता केवल बन जाने का नाम नहीं है।

रिश्ता बनाना शुरुआत है, निभाना उसकी असली परीक्षा है। किसी रिश्ते की पहली नींव विश्वास है। विश्वास का अर्थ केवल यह नहीं कि सामने वाला हमें धोखा नहीं देगा। इसका अर्थ यह भी है कि हम उसके सामने अपने मन की बात कह सकें, अपनी कमजोरी स्वीकार कर सकें और यह भरोसा रख सकें कि हमारी कही बात हमारे विरुद्ध इस्तेमाल नहीं होगी।

जहां विश्वास होता है, वहां हर बात का प्रमाण नहीं मांगा जाता। हमें हर फोन कॉल का हिसाब नहीं चाहिए, हर चुप्पी का अर्थ नहीं निकालना पड़ता और हर छोटी बात पर संदेह नहीं करना पड़ता। लेकिन विश्वास एक बार में नहीं बनता। वह लगातार सही व्यवहार से धीरे-धीरे बनता है और टूटने में कभी-कभी एक क्षण ही पर्याप्त होता है। इसलिए हम यदि अपने रिश्तों को मजबूत रखना चाहते हैं, तो अपने शब्दों से अधिक अपने व्यवहार को विश्वसनीय बनाना होगा। विश्वास के बाद रिश्ते को जीवित रखने वाली सबसे महत्वपूर्ण चीज है संवाद। कितने ही रिश्ते इसलिए कमजोर हो जाते हैं क्योंकि दोनों पक्षों के बीच प्रेम तो रहता है, लेकिन बातचीत कम हो जाती है।

हम सामने वाले से पूछते नहीं, अनुमान लगाने लगते हैं- 'वह मेरी परवाह नहीं करता', 'उसे मेरी बात समझ में नहीं आती', 'वह जानबूझकर ऐसा करता है'। समस्या यह है कि अनुमान अक्सर सच नहीं होते। हम मन में पूरी कहानी बना लेते हैं और फिर उसी कहानी के आधार पर सामने वाले से नाराज भी हो जाते हैं।

यदि हम अपनी बात स्पष्ट रूप से कहेंगे और सामने वाले को अपनी बात कहने का अवसर देंगे तो बहुत-सी गलतफहमियां जन्म लेने से पहले ही समाप्त हो जाएंगी।

अनुमान संवाद का विकल्प नहीं हो सकता, लेकिन संवाद का अर्थ केवल बोलना नहीं है।

रिश्ते बचाने के लिए हमें सुनना भी सीखना होगा। हममें से बहुत लोग सुनते समय वास्तव में सुन नहीं रहे होते, हम भीतर ही भीतर अपने उत्तर की तैयारी कर रहे होते हैं। सामने वाला अपनी पीड़ा बता रहा है और हम तुरंत समाधान देने लगते हैं। वह अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहा है और हम अपने बचाव में तर्क देने लगते हैं।

वह अपने अनुभव की बात कर रहा है और हम कह देते हैं- 'इसमें इतनी बड़ी बात क्या है?' शायद हमें यह समझना होगा कि हर बातचीत समाधान मांगने के लिए नहीं होती। कई बार सामने वाला केवल यह चाहता है कि कोई उसकी बात पूरी तरह सुने और यह महसूस कराए कि उसकी भावना महत्वपूर्ण है। किसी को समझने की पहली सीढ़ी उसे पूरी तन्मयता से सुनना है। इसके बाद नंबर है सम्मान का।

प्रेम में भावनाएं कभी कम-ज्यादा हो सकती हैं, विचारों में मतभेद हो सकते हैं, स्वभाव अलग हो सकते हैं, लेकिन सम्मान बना रहे तो रिश्ते के पास संभलने की जमीन रहती है। पति-पत्नी असहमत हो सकते हैं, माता-पिता और बच्चे अलग राय रख सकते हैं, दो मित्र किसी विषय पर बिल्कुल विपरीत विचार रख सकते हैं, लेकिन असहमति को अपमान में नहीं बदलना चाहिए। हम सामने वाले की बात गलत मान सकते हैं, लेकिन उसे छोटा किए बिना।

जब हम किसी रिश्ते में सामने वाले की गरिमा बचाए रखते हैं, तब हम केवल उस व्यक्ति का सम्मान नहीं करते, हम रिश्ता भी बचाते हैं। आज वर्तमान में रिश्तों में एक और सूक्ष्म समस्या है कि हम हर बार सही साबित होना चाहते हैं। पति-पत्नी की बहस हो, दो मित्रों में मतभेद हो या परिवार में कोई विवाद हो, हम अक्सर यह साबित करने में लग जाते हैं कि हम ही सही हैं।

कुछ अवसरों पर हमें यह चुनना पड़ता है कि हमें अपनी बात मनवानी है या अपना रिश्ता बचाना है। इसका अर्थ गलत बात को स्वीकार करना नहीं है। इसका अर्थ केवल इतना है कि हर विवाद को युद्ध बनाना आवश्यक नहीं। रिश्ते अक्सर किसी एक बड़ी घटना से नहीं टूटते। वे छोटी-छोटी उपेक्षाओं से कमजोर होते हैं, मसलन, बात न सुनना, धन्यवाद न कहना, गलती होने पर भी माफी न मांगना, सामने वाले के समय को महत्व न देना, हर समय मोबाइल में व्यस्त रहना या उसकी भावनाओं को तुच्छ समझ लेना।

रिश्ते बचाने के लिए किसी बड़े चमत्कार की आवश्यकता नहीं होती। ध्यान से सुनना, इज्जत से बात करना और गलती होने पर माफी मांग लेना चमत्कार की तरह काम करता है।

रिश्ता सही व्यक्ति मिल जाने से अच्छा नहीं बनता, सही व्यवहार करने से अच्छा बना रहता है। रिश्तों का सबसे बड़ा शत्रु कई बार कोई तीसरा व्यक्ति नहीं, हमारा अपना अहंकार होता है। 'पहले वही फोन करे', 'गलती उसकी थी, मैं क्यों माफी मांगू', ऐसी सोच दो लोगों के बीच ऐसी दूरी बना सकती है जिसे बाद में पाटना कठिन हो जाता है। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि माफी रिश्तों को बचाने का सबसे शक्तिशाली साधन है। हम जितनी जल्दी टूटे संवाद को जोडऩे की कोशिश करेंगे, दरार उतनी ही आसानी से पटेगी।

संघ शताब्दी वर्ष पर आयोजित 'जम्मू कश्मीर चुनौतियां और संघ' पुस्तक लोकार्पण समारोह आयोजित

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्व का पहला ऐसा संगठन है जो सौं वर्षों की यात्रा पूर्ण करने के बाद भी निरंतर आगे बढ़ रहा है

जयपुर (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि सहनशीलता, नैतिकता के गुणों का समावेश जीवन में जरूरी है। उन्होंने कहा कि गांव-गांव में चरित्र निर्माण का कार्य किए जाने की आवश्यकता है। चरित्र निर्माण का कार्य जब होगा, तभी देश पूर्व की भांति समृद्ध और संपन्न होगा। उन्होंने वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत आदि की चर्चा करते हुए कहा कि विश्व के यह ऐसे ग्रंथ है जो नैतिकता, धैर्य और मर्यादा का पाठ पढाते हैं।



बागडे गुरुवार को दिल्ली के कांस्टीटयूशनल क्लब में संघ शताब्दी वर्ष पर आयोजित 'जम्मू कश्मीर चुनौतियां और संघ' पुस्तक लोकार्पण समारोह में संबोधित कर रहे थे। समारोह में प्रधानमंत्री कार्यालय में केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह राज्य ने भी सम्बोधित किया। राज्यपाल बागडे ने कहा कि जिन्हें संस्कृति, देश के धर्म, ऋषि-मुनियों के त्याग का भान नहीं वे भारत को समझ ही नहीं सकते। उन्होंने दुनिया में भारत के गौरव को बढ़ाने के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति, देशभक्ति और नैतिक मूल्यों में विश्वास रखने वाला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्व का पहला ऐसा संगठन है जो सौं वर्षों की यात्रा पूर्ण करने के बाद भी निरंतर आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि देश में स्वयंसेवकों की कभी कमी नहीं रहती और हर वर्ष देश के लिए काम करने वालों की संख्या बढ़ती जाती है। उन्होंने वर्ष 1920 के कांग्रेस सम्मेलन की चर्चा करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के डॉ. हेडगेवार इसमें सम्मिलित हुए थे। महर्षि अरविंद को तब कांग्रेस का अध्यक्ष बनने के लिए आग्रह किया गया था। महर्षि अरविंद ने कहा कि स्वतंत्रता तो भारत को जल्द मिलने वाली है परन्तु उसे संभालने और राष्ट्रप्रेम जगाने वाले ऐसे लोगों की देश को जरूरत है जो तन और मन से, विचारों से भारत भूमि के लिए कार्य कर सके ताकि फिर से देश गुलामी की राह पर न जाए। डॉ. हेडगेवार ने उनके इस सुझाव पर ही पांच साल बाद 1925 में डॉ. हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संगठन की स्थापना की। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक बहुत कष्ट उठाकर भी राष्ट्र के लिए निरंतर समर्पित रहकर सेवा करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक राष्ट्र के लिए, समाज के लिए निरंतर कार्य करता है। उन्होंने कहा कि प्रचारकों ने आजन्म जो कष्ट सहे, उसी का फल आज हम समृद्ध भारत के रूप में देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत आजादी से पहले बहुत समृद्ध-संपन्न राष्ट्र था। स्वयं लार्ड मैकाले ने इस बात को स्वीकारा था कि भारत में नैतिकता और आदर्श मूल्य हैं। उन्हें अधिक समय तक गुलाम रखना है तो उनकी शिक्षा पद्धति बदलकर अपने मूल्यों से अलग करना होगा। यही बाद में किया गया। देश के वास्तविक इतिहास तक से नई पीढी को अंग्रेजी शिक्षा पद्धति ने दूर रखा। उन्होंने कहा कि अंग्रेजो ने देश के उद्योग धंधे बंद कर राष्ट्रवासियों को भूखे मरने की स्थितियां पैदा की।

भाजपा की बहनें उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के विकास कार्यों और सुशासन से जनता को कराएंगी अवगत: मदन राठौड़

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की ओर से उत्तर प्रदेश चुनावों के मध्य नजर जागरण अभियान चलाने के लिए गुरुवार को भाजपा महिला कार्यकर्ताओं का एक दल रवाना किया हैं। राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानून व्यवस्था को मजबूत करने के साथ विकास को नई दिशा देने का काम किया है। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के कार्यकाल में सुरक्षा, आधारभूत ढांचे, औद्योगिक विकास और रोजगार के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। ऐसे में हमारी बहनें योगी सरकार की जनहितैषी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के लिए उत्तर प्रदेश रवाना हुई है। यूपी में महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।



भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक दशक पूर्व की स्थिति और आज की स्थिति में काफी बदलाव आया है। पहले रात में ट्रेन से पहुंचने वाले यात्रियों, विशेषकर महिलाओं को सुरक्षा के अभाव में सुबह होने तक रेलवे स्टेशन पर इंतजार करना पड़ता था, लेकिन आज उत्तर प्रदेश में सुरक्षा का ऐसा वातावरण बना है कि महिलाएं देर रात भी निडर होकर अपने घर तक पहुंच सकती हैं। योगी सरकार ने गुंडाराज समाप्त करने और आमजन के आत्मसम्मान एवं सुरक्षा की रक्षा करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि यूपी में सड़कों का सुदृढ़ीकरण, फ्लाईओवर और पुलों का निर्माण के साथ औद्योगिक विकास को गति मिली है तथा रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं। पहले उत्तर प्रदेश के लोग रोजगार की तलाश में दूसरे राज्यों में पलायन करते थे, लेकिन अब यूपी में ही रोजगार के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि योगी सरकार ने अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर उनमें कानून का भय पैदा किया है। अपराधी अब अपराध करने से पहले कई बार सोचने को मजबूर हैं। अनुशासन बनाए रखने के लिए कई बार कठोर दंड की भी आवश्यक होती है। योगी सरकार ने सख्त कार्रवाई के माध्यम से कानून व्यवस्था को मजबूत करने का काम किया है। राठौड़ ने उत्तर प्रदेश रवाना हुई महिला कार्यकर्ताओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि ये बहनें वहां जाकर जनता, विशेषकर महिलाओं और युवाओं को योगी सरकार के विकास कार्यों, सुशासन और सुरक्षा व्यवस्था में आए बदलावों से अवगत कराएंगी। महिला कार्यकर्ताओं ने अपने परिवार की अनुमति लेकर पार्टी का झंडा बुलंद करने और जागरण अभियान की जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया है। इसके लिए वे बधाई की पात्र हैं। पार्टी के अन्य कार्यकर्ता भी पंजाब सहित विभिन्न राज्यों में जाकर संगठन का पक्ष मजबूती से रखेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रभक्ति से जुड़े प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में फोटो सेशन के लिए निर्धारित स्थान पर प्रधानमंत्री मोदी ने कार्ड जमीन से उठाया, जिस पर तिरंगे का चिह्न अंकित था। उन्होंने कार्ड को सम्मानपूर्वक उठाकर अपने पास सुरक्षित रखा। यह घटना देश के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना का संदेश देती है। वहीं दूसरी ओर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी विदेश में जाकर भारत सरकार और देश की अर्थव्यवस्था की आलोचना कर रहे है। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है और ऐसे समय में विदेश में देश की प्रतिष्ठा को धूमिल करने वाले बयान देना उचित नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी के राष्ट्र के प्रति सम्मान और राहुल गांधी के विदेश में दिए गए बयानों की तुलना से दोनों के राष्ट्रीय चरित्र में अंतर स्पष्ट होता है। भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़ ने कहा कि एक समय राजस्थान को कांग्रेस शासन में महिलाओं की सुरक्षा के लिहाज से चुनौतीपूर्ण प्रदेश माना जाता था, लेकिन भाजपा सरकार ने कानून व्यवस्था को मजबूत कर आमजन में विश्वास कायम किया है। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश में भी वर्ष 2017 से पहले कानून व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक थी, लेकिन योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने कानून व्यवस्था को सुदृढ़ किया है। आज उत्तर प्रदेश में महिलाएं स्वयं को अधिक सुरक्षित महसूस कर रही हैं। भाजपा सरकार ने कानून व्यवस्था के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण को भी प्राथमिकता दी है। राजस्थान में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में मर्दों के प्रदेश की पहचान मिली, लेकिन नारी शक्ति के सशक्तिकरण तक का बदलाव भाजपा की नीतियों और सुशासन का परिणाम है।

राखी राठौड़ ने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा की विचारधारा, नीतियों और सरकार के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए राजस्थान महिला मोर्चा की 50 महिला कार्यकर्ताओं की टीम सबसे पहले उत्तर प्रदेश के लिए रवाना हो रही है। ये सभी कार्यकर्ता सात दिनों तक उत्तर प्रदेश में प्रवास करेंगी और प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में जाकर आमजन से संवाद करेंगी। महिलाओं की यह टीम भाजपा सरकार के विकास कार्यों, सुशासन और महिला सुरक्षा से जुड़े प्रयासों की जानकारी जनता तक पहुंचाएगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान की महिला कार्यकर्ता पूरे उत्साह और समर्पण के साथ चुनाव प्रचार में अपनी भागीदारी निभाएंगी। इस दौरान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सरिता गैना, मंत्री डॉ अपूर्वा सिंह, कार्यालय सचिव मुकेश पारीक, मीडिया प्रभारी प्रमोद वशिष्ठ सहित बडी संख्या में महिला मोर्चा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



इस बारे में कई शोध सामने आ चुके हैं, जिनसे पता चलता है कि जिन लोगों के पास पालतू कुत्ता होता है, उनमें कोलेस्ट्रॉल और ट्रिगलीसराइड का स्तर कम होता है। यह हाईपरटेंशन और मोटापे के खतरे को भी कम करता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि कुत्ता होने से शारीरिक गतिविधि बढ़ती है और तनाव कम करने में मदद मिलती है।

दिल के लिए सेहतमंद है जानवर पालना

हार्वर्ड विश्वविद्यालय की एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, जिनके पास पालतू कुत्ते होते हैं, उनका रक्तचाप कम और कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी नियमित रहता है। उनमें मोटापा और अवसाद होने की संभावना भी कम होती है।

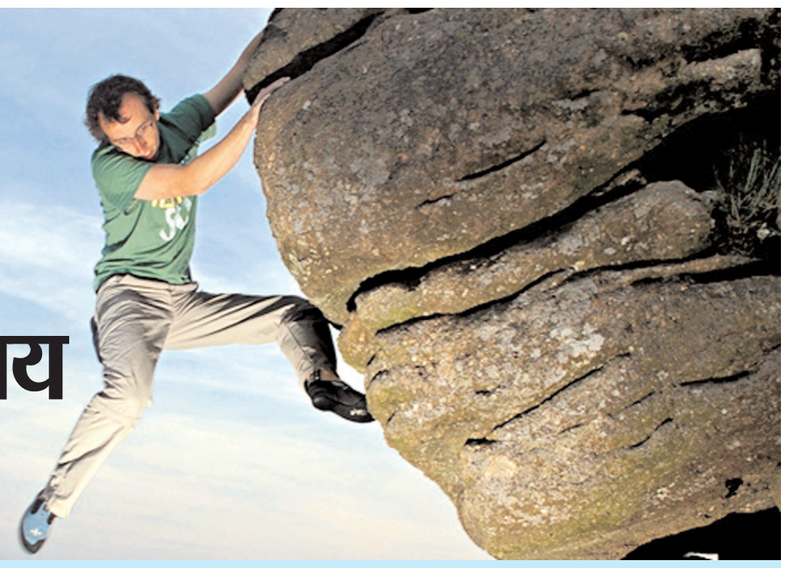
हार्ट केयर फाउंडेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एवं आईएमए के ऑनरेरी सेक्रेटरी जनरल डॉ. के.के. अग्रवाल ने बताया, इस बारे में कई शोध सामने आ चुके हैं, जिनसे पता चलता है कि जिन लोगों के पास पालतू कुत्ता होता है, उनमें कोलेस्ट्रॉल और टरिगलीस्राइड का स्तर कम होता है।

उन्होंने कहा कि यह हाईपरटेंशन और मोटापे के खतरे को भी कम करता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि कुत्ता होने से शारीरिक गतिविधि बढ़ती है और तनाव कम करने में मदद मिलती है। यह घर पर सकारात्मक माहौल बनाता है और खुशियां बढ़ाने में मदद करता है। डॉ. अग्रवाल ने कहा, कुत्ते को रोज सैर करवाने से आपको भी धूप में जाने का मौका मिलता है, जिससे आपका शरीर उचित मात्रा में विटामिन-डी सोख लेता है, जो कि सेहतमंद दिल के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि नियमित तौर पर कुत्ते के साथ खेलने और उसका ख्याल रखने ये आपका रक्तचाप संतुलित रहता है और तनावमुक्त करने वाले हार्मोन ऑक्सीटोसिन निकलते हैं, जिससे तनाव पैदा करने वाला हार्मोन कोर्टिसोल कम होता है। डॉ. अग्रवाल के मुताबिक, जानवर बहुत अधिक देखभाल और प्यार की मांग करते हैं। उनकी सेहत का भी खूब ध्यान रखना पड़ता है, जिसके बदले आपकी सेहत भी अच्छी रहती है। अगर आप इसके लिए तैयार हैं तो फिर आपको इन्हें रखने में कोई बाधा नहीं आएगी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि पालतू जानवर रखने और दिल की बीमारियां कम होने में कोई सीधा संबंध नहीं है, लेकिन यह एक समुचित नजरिया है जो एक अच्छी जीवनशैली अपनाने और दिल की अच्छी सेहत बनाने में मदद कर सकता है। जो लोग कुत्ता या बिल्ली पालते हैं, उनके लिए वे सिर्फ पालतू जानवर नहीं होते, बल्कि उनके दोस्त होते हैं। ऐसा दोस्त जिसके साथ आप अपने दुख व खुशियां बांट सकते हैं। अगर आपके पास एक प्यारा सा कुत्ता हो तो वह आपके अकेलापन, अवसाद या तनाव को कम करता है और सकारात्मक जिंदगी जीने में मददगार साबित होता है।



ठीक नहीं है तुरंत राय बनाना

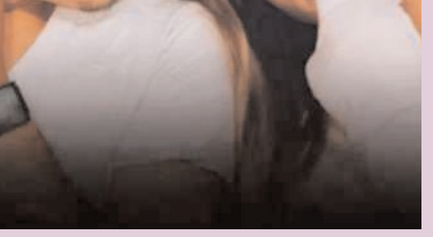


एक दिन दो छात्र अपने पूर्व शिक्षक चांग हू से मिलने उनके घर आए। वे वहां रखी एक मेज पर बैठ गए। चांग हू ने एक छात्र के सामने नया गोल्डन कप रखा और दूसरे के सामने एक पुराना दरार पड़ा हुआ कप। चांग हू ने दोनों कपों को पानी से भरा और छात्रों को पीने के लिए कहा। जिस छात्र को गोल्डन कप मिला था, उसने पानी पिया और अपने पूर्व शिक्षक के सामने सम्मान से सिर झुकाया।

जिस छात्र को पुराना कप मिला था, उसने शिक्षक को नाराजगी के साथ देखा। वह खुद पर काबू नहीं रख सका। उसने चांग हू से कहा... माननीय महोदय, क्या आप अपने दो पूर्व छात्रों में इतना भेद करते हैं? एक को आप नए कप में पानी देते हैं और एक को इस पुराने टूटे हुए कप में? मैंने आपके पास इतना समय बिताया, आपको इतना मान दिया, आपकी हर बात को अच्छे से सीखा, पर मैं यह नहीं जान सका कि आप दूसरे छात्र को इतना पसंद करते थे? इतना भेदभाव?

चांग हू, मुस्कराकर कहने लगे... मेरे प्रिय छात्रो, यह गोल्डन कप मेरे घर में बहुत लंबे समय से रखा था। मेरे लिए यह कप अमूल्य चीज है। मैंने इसे हमेशा अपने माननीय अतिथियों के लिए इस्तेमाल किया। यहां तक कि मैंने खुद भी इसमें कभी नहीं पिया। मैं खुद हर रोज इस पुराने टूटे कप में पानी पीता हूं। यह कप कई सालों से पूरी निष्ठा के साथ मेरा साथ निभा रहा है। यह कप मेरे दिल के करीब है।

मैं इस पर पड़ी हर दरार और निशान को जानता हूं। इसलिए अब मेरे प्रिय छात्रो, मैंने तुम्हारे साथ कैसा व्यवहार किया, इसका फैसला तुम स्वयं करो। पर एक बात अवश्य याद रखना कि इस घर में मेरे पास इन दो कपों के अलावा और कुछ नहीं है। मैंने इन दोनों में केवल पीने के लिए पानी भरा है।



सपनों की कोई उम्र नहीं होती

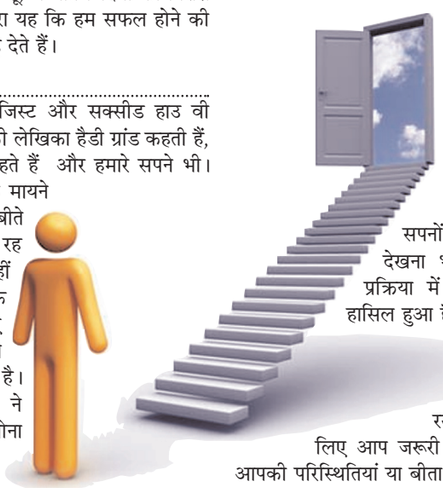


सबसे करीब सपने होते हैं, कभी अपने और कभी अपनों के। लेकिन 35 पार करते-करते लगने लगता है कि हम कई अधूरे सपनों के साथ जी रहे हैं। जो बनना चाहते थे, नहीं बन पाए। जो सीखना चाहते थे, उसका मौका नहीं मिला, जो करना चाहते हैं, उसकी राह में कई मजबूरियां। और धीरे-धीरे लगता है कि अब कुछ होगा भी नहीं, बहुत देर जो हो गयी है। सीखने और कुछ बनने की उम्र नहीं रही। हम भूल जाते हैं कि समय के साथ हम भी बदलते हैं और हमारे सपने भी।

मनोविज्ञान के अनुसार, जिन्हें लगता है कि उनके सभी सपने अधूरे रह गए हैं, अकसर वे लोग होते हैं, जो खुद को और अपने सपनों को सबसे कम महत्व देते हैं। कोशिश से डरते हैं। खुद को बदलते नहीं हैं। ब्लॉगर बेरी डेवनपोर्ट कहती हैं, सपने पूरे करने की कोई आदर्श उम्र नहीं होती। काश, ऐसा होता, वैसा होता, मैं ऐसा क्यों नहीं हूं, ये बातें जिंदगी को निराश बना देती हैं। सबसे बुरा यह कि हम सफल होने की कोशिश करना ही छोड़ देते हैं।

धैर्य रखें

सोशल साइकोलॉजिस्ट और सक्सीड हाउ वी कैन रीच अवर गोल की लेखिका हैडी ग्रांड कहती हैं, हम लगातार बदलते रहते हैं और हमारे सपने भी। उम्र के साथ खुशी के मायने भी बदलते हैं। पर हम बीते समय में अटक कर रह जाते हैं। खुद को नहीं बदलते। व्यावहारिक लक्ष्य और उनके लिए खुद को तैयार करना भी जरूरी होता है। लियोनार्डो द विंसी ने अपनी प्रसिद्ध पेंटिंग मोना लीसा 51 साल की उम्र में बनायी थी। नेल्सन मंडेला लंबे संघर्ष के बाद 75 साल की उम्र में दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति बने थे। हर क्षेत्र में ऐसे चेहरे हैं, जिनके सपनों ने लंबे संघर्ष के बाद सफलता का स्वाद चखा है।



यह जिंदगी आपकी है

अपने सपनों और उपलब्धियों को दूसरों की नजर से देखना छोड़ें। यदि गलत चुनाव किए हैं, तो भी सही दिशा में वापस लौटने की संभावना हमेशा होती है। यह नहीं सोचें कि लोग क्या कहेंगे, दूसरे हंसेंगे, बहुत देर हो गयी, मैं बीमार हूं, असफल हो गया तो क्या होगा आदि। संघर्षों को गले लगाएं। जिंदगी को बेहतर बनाने की गुंजाइश हमेशा होती है।

आज से करें शुरुआत

पहले स्पष्ट करें कि क्या चाहते हैं। यह जानना कि आप क्या चाहते हैं, आधी मंजिल जीतने के समान है। जरूरत है तो किसी की मदद लें।

योजना बनाएं और उसे छोटे-छोटे लक्ष्यों में बांटें। योजना के अनुसार काम करें। अपनी स्किल्स बढ़ाएं। उस क्षेत्र के जानकार लोगों से मिलते रहें।

इन कामों के लिए कभी देर नहीं होती

पढ़ाई शुरू करने के लिए करियर में बदलाव करने के लिए रिश्तों में सुधार करने के लिए प्रसिद्ध और सफल बनने के लिए बुरी आदत से छुटकारा पाने के लिए सपनों को पूरा करने के लिए नई किताब लिखने के लिए खुद में सुधार करने के लिए नई स्किल सीखने के लिए दुनिया की सैर करने के लिए

सफलता एक नजरिया है

अकसर हम अधूरे सपनों की हताशा में यह देखना भूल जाते हैं कि उस प्रक्रिया में और भी बहुत कुछ हासिल हुआ है। हम कई छोटी-बड़ी उपलब्धियों की खुशियां मनाना ही भूल जाते हैं। ध्यान यह रखें कि सफलता के लिए आप जरूरी हैं, आपकी उम्र नहीं, आपकी परिस्थितियां या बीता कल नहीं।

लोग आपकी क्यों नहीं सुनते?



कहने को कितना कुछ है, लेकिन सुनने वाले सुनते ही नहीं। मानो आपके शब्दों में वो बात ही नहीं, जिसे सुना जाए। लोग आपकी सुनें, इसके लिए बात में दम होने के साथ-साथ संवाद की कला भी बहुत जरूरी है। इस कला को भी समझिए जरा।

जब किसी बच्चे की बात को गंभीरता से सुना जाता है, तो अपनी नजरों में वह थोड़ा और ऊपर उठ जाता है। लेकिन इसके लिए उन्हें सुना जाना प्रमुख और महत्वपूर्ण बात है। वयस्कों पर भी यह बात लागू होती है। अगर आप अपनी बात से किसी का ध्यान कुछ देर के लिए खुद पर रोक नहीं पाते, तो खुद को बिल्कुल अच्छा नहीं लगता। दरअसल इसका एक मतलब यह भी होता है कि आगे चलकर लोग आप पर ही ध्यान देना बंद कर दें।

अगर आपको लगता है कि आपकी तो कोई सुनता ही नहीं, तो सोचिए कि इसका कारण क्या हो सकता है? इसका मतलब यह नहीं है कि इसका कारण हम दूसरों में ढूंढ़ने लगें, ना ही इसका एक मतलब यह है कि आप गलत हैं। समस्या है संवाद की और यह हम सब जानते हैं कि संवाद एक दोतरफा प्रक्रिया है। इसको ध्यान में रखते हुए घर हो या ऑफिस मुझे ऐसे सात स्पष्ट कारण समझ में आते हैं, जिनके कारण हो सकता है कि लोग आपकी बात पर ध्यान नहीं देते हों। अगली बार जब आप अपनी बात किसी से कहनी शुरू करें, तो एक बात पर गौर करें। कहीं आपकी शुरुआत उलझी हुई तो नहीं होती? इस कारण बात पहली बार में ही जमती नहीं। आप बात कुछ यूं शुरू करते हैं कि उसमें निहित संदेश लोगों को ढूंढ़े नहीं मिलता। कुछ ऐसे कि मानो माला पिरोते समय एक गांठ लगाना भूल गए और पूरी बात बिखरकर रह गई।

हो सकता है कि उसी समय किसी और चीज ने उनका ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

वे आपकी बात में रुचि नहीं रखते, लेकिन वे इसे आपसे कह नहीं पा रहे हैं।

वे दिनभर इतने लोगों की सुनते हैं कि ना चाहते हुए भी उनका ध्यान बंट जाता है।

हो सकता है कि आप जो कह रहे हैं, उस व्यक्ति की उससे जुड़ी कुछ निजी धारणाएं हों।

आपने अपनी बात कहना उस समय शुरू किया, जब व्यक्ति सुनने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हो पाया था।

आप दूसरे व्यक्ति पर कुछ ज्यादा ही दबाव डाल रहे हों, क्योंकि तनाव के चलते लोग किसी बात पर ध्यान देना बंद कर देते हैं।

इन सारे कारणों का हल भी निकाला जा सकता है। इसके लिए अपनी बात कहते समय आप थोड़ी सतर्कता बरतने की आदत डालें, ताकि आपकी बात से ध्यान हटाने वाली हर बाधा को आप तुरंत रफा-दफा कर सकें। अगर चाहते हैं कि लोग आपकी बात को एक समझदार व्यक्ति का नजरिया मानकर ध्यान से सुनें, तो अपने में कुछ बदलाव जरूर लाए

तर्कों में अति ना करें। इसे कम करके केवल एक बिंदु बनाएं। यह जरूरी है कि आप भी इस एक बिंदु से सहमत हों। फिर यदि स्पष्टता है तो कहें। फिर यह समझने की कोशिश करें कि क्या आपकी यह बात सुनी गई? अगर आपको लगता है कि वे आपकी बात नहीं सुन रहे, तो एक बार मुद्दे पर उनकी राय भी पूछें। किसी भी कीमत पर एक साथ बहुत सारे पक्ष-विपक्ष के साथ बात न करें, वरना वे एक-दो वाक्यों के बाद ही ध्यान देना बंद कर देंगे। कहते हैं बात हमेशा मौका और दस्तूर देखकर की जाती है। आप अपनी बात तब कहें, जब सुनने वाले का ध्यान एक से अधिक चीजों पर ना हो। कई बार यह मुश्किल काम ही होता है। ऐसे में यह बिल्कुल ना पूछें कि क्या आपके पास एक मिनट है? क्योंकि अधिकतर लोग नम्रता में हां तो कह देंगे, पर आपकी बात को गंभीरता से सुनें, मुश्किल ही है।

जो लोग आपकी बात में रुचि दिखाएं, उन्हें ही अपनी बात सुनाएं, वरना उत्साह कम ही होगा। उनकी अनिच्छा होते हुए भी उन्हें आपकी बात सुननी पड़ी, इस पर नाराजगी भी हो सकती है। इससे बेहतर है कि आप उनसे पूछ लें। अगर उन्होंने ना कहा भी, तो कम से कम आपके और उनके बीच ईमानदारी का रिश्ता तो कायम हो ही जाएगा।

हर किसी की है उपयोगिता

रेगिस्तान में मीलों फैली तपती रेत के बीच अकेला बढ़ता हुआ एक पेड़। गर्म हवाओं से उड़ती रेत पेड़ को अपनी परतों से ढकने को आमादा थी। सूरज पूरी क्रूरता के साथ पेड़ की शाखाओं को जला रहा था। पर तमाम चुनौतियों के बावजूद पेड़ अपनी धुन में बढ़ रहा था।

एक दिन एक पक्षी वहां से गुजर रहा था। पक्षी ने पेड़ को देखा और उसकी शाखा पर बैठ गया। उसने रेगिस्तान में चारों ओर देखा। वह पेड़ से बोला, तुम बड़े अजीब पेड़ हो। क्यों इस जलती मृत रेत के बीच खुद को जिंदा रखने का संघर्ष कर रहे हो? किसके लिए

तुम इतने कष्ट सह रहे हो? तुम्हारा कोई साथी पेड़ भी तो नहीं है यहां? किसे जरूरत है तुम्हारी यहां?

तुम्हें, पेड़ ने कहा।

मुझे?, पक्षी ने हैरत से कहा। नहीं, मुझे तो तुम्हारी कोई जरूरत नहीं है।

पेड़ ने कहा, ठीक है। लेकिन सोचो, अगर मैं नहीं होता तो तुम्हें इस गर्म रेगिस्तान में विश्राम करने के लिए मेरी शाखाएं नहीं मिलतीं। तुम्हें इस तपती रेत पर बैठना पड़ता।

अगर मैं नहीं होता तो कोई तुम्हें भी यहां अकेले बैठा देखकर कहता कि यहां किसी को तुम्हारी जरूरत नहीं है। तुम किसलिए जी रहे हो? इतना ही नहीं, मेरी ही शाखा पर बैठकर तुम मुझसे ही पूछ रहे हो कि किसे तुम्हारी जरूरत है?

पक्षी ने इस बात पर विचार किया। उसे पेड़ से सहमत होना ही पड़ा। वह सोचने लगा कि यदि पेड़ नहीं होता तो इस मीलों दूर तक फैले रेगिस्तान में वह न सिर्फ अकेला होता, बल्कि अनुपयोगी भी।

खुशियों का असली खजाना

अमीर और चर्चित होना आकर्षित करता है। ताकतवर होने का एहसास भी कराता है। लेकिन असली शक्तिशाली वही है, जो अपनी अंदरूनी शक्ति को पहचानकर पूर्ण रूप से उसका उपयोग करने के लिए तत्पर रहता है। करिश्माई शख्सियत वाले ऐसे ही लोग दुनिया जीतने की कुव्वत रखते हैं।

हमारा देश ही नहीं, पूरी दुनिया बदल रही है। पुरानी संस्थाओं के तौर-तरीके वक्त के साथ पुराने पड़ चुके हैं। जो देश कभी तेजी से तरक्की की ओर कदम बढ़ा रहे थे, आज मंदी से जूझ रहे हैं। समाज में जिस तरह से हम गुजर-बसर करते आ रहे थे, उसमें भी हमें नए सामंजस्य बिठाने पड़ रहे हैं।

इस बदलाव को सहज भाव से अपनाने में हमारी काफी ऊर्जा लग जाती है। लेकिन यह ऊर्जा आएगी कैसे? जाहिर सी बात है अपनी ताकत बढ़ाकर। खुद को स्थापित करके ही हम अपनी स्थिति मजबूत कर सकते हैं। लेकिन यहां इस तथ्य पर विचार करना भी जरूरी है कि समाज में मान-सम्मान और प्रसिद्धि दिलाने वाली यह ताकत अल्पकालिक है या हमेशा के लिए साथ है?

ताकतवर होने के मायने

पारंपरिक सोच यह है कि ताकत बाह्य शक्ति होती है। अगर व्यक्ति के पास धन-दौलत है, प्रसिद्धि है, बड़े-बड़े बंगले या संपत्ति है, तो माना जाता है कि वह बहुत ताकतवर है। हमेशा से दुनिया इसी ताकत को मानती आई है और आज भी इसमें कोई बदलाव नहीं आया है। ज्यादातर लोग इसी शक्ति को पाने की लालसा रखते हैं। लेकिन बाह्य शक्ति एक मायने में सीमित होती है। इसकी समस्या है कि यह लंबे वक्त तक खुशी नहीं दे पाती और न ही हमें बेहतर इंसान बना पाती। दुनिया की भी इससे किसी तरह की प्रगति नहीं होती।

अंदरूनी ताकत का दूरगामी प्रभाव

बाह्य शक्ति नहीं, पर एक शक्ति ऐसी है, जिसे अपनाने के लिए मैं आपको प्रोत्साहित करूंगा। उस पर गंभीरता से विचार करने के लिए कहूंगा। यह शक्ति है हमारी अंदरूनी शक्ति। बाहरी ताकत की तरह यह नजर भले ही न आती हो, लेकिन इसका प्रभाव दूरगामी होता है। दुनिया की हर महान शख्सियत इसी शक्ति के बल पर आगे बढ़ी है। उन्होंने हर मुश्किल का सामना डटकर किया और कभी अपने मार्ग से विचलित नहीं हुए। कुछ ऐसी ही हस्तियों का मैं यहां जिक्र करना चाहूंगा।



जब महात्मा गांधी की मृत्यु हुई, तो अपने पीछे जो कुछेक चीजें वे छोड़ गए, उनमें था उनका चश्मा, दो जोड़ी चप्पलें, एक चरखा, एक घड़ी और ऐसी ही कुछ सामान्य चीजें। लेकिन इन साधारण चीजों का इस्तेमाल करते हुए उन्होंने जो असाधारण अंदरूनी शक्ति विकसित की थी, उसका कोई मुकाबला ही नहीं था। उनके व्यक्तित्व ने कई पीढ़ियों को प्रभावित किया।

कुछ साल पहले मैं मदर टेरेसा के कमरे में खड़ा था। वहां एक बिस्तर और डेस्क के सिवाय और कुछ न था। लेकिन वहां खड़े होने पर एक मानसिक बल मिल रहा था। इसी से मुझे उनकी ताकत का एहसास हो रहा था, जिसने करोड़ों लोगों को प्रभावित किया।

प्राप्त होती है पूर्णता

अंदरूनी शक्ति हम सभी में होती है, लेकिन कुछ लोग ही इसे पहचान पाते हैं। अगर प्रयास किए जाएं तो हम सभी इसका इस्तेमाल कर खुद को बहुत मजबूत और प्रभावशाली बना सकते हैं। इसी से बल मिलता है एक सशक्त चरित्र के निर्माण का, सच्चाई की राह पर चलने का, सहृदय होने का, अपने जीवन से ऊपर उठकर मूल्यों और सरोकार से जुड़ने का। यह शक्ति हासिल कर लेने में सबसे अच्छी बात यह होती है कि इसमें मिलने वाली खुशी से मन प्रफुल्लित हो उठता है। यही सही अर्थ में उन्नति है। इसे प्राप्त करने के बाद जब आप लोगों से रूबरू होते हैं तो वे आपसे प्रभावित हुए बिना नहीं रहते। आपसे मिलकर वे भी आपकी तरह ऊर्जावान बन जाते हैं। यहां मैं एक शानदार किताब ए रिटर्न टू लव की लेखिका मरियान विलियमसन की कुछ पंक्तियों का उल्लेख करना चाहूंगा, हमारा सबसे बड़ा डर यह नहीं होता कि हम संपूर्ण नहीं हैं, बल्कि यह होता है कि हम अपनी असीमित शक्तियों को संभाल कैसे पाएंगे। हमारे अंदर जो प्रकाश है, वही हमें डराता है, न कि अंधेरा। कभी-कभी हम खुद से यह सवाल पूछते हैं कि हम इतने बुद्धिमान, तेजस्वी और ओजपूर्ण आखिर किसलिए हैं? आखिर वह कौन सी चीज है, जिसके लिए हम नहीं बने हैं?... शक्तियों का विस्तार न करने और खुद को सीमित रखने से दुनिया का भला नहीं होने वाला।

जैसे-जैसे हमारे भीतर का अंधकार दूर होता है, वैसे-वैसे हम दूसरों को भी आगे बढ़ने का रास्ता दिखाते हैं। जब हम अपने डर दूर कर लेते हैं, तो हमारी उपस्थिति मात्र से दूसरे खुद को राग-द्वेष के बंधनों से मुक्त महसूस करने लगते हैं। व्यक्तित्व को पूरी तरह से बदल देने वाली यह अंदरूनी शक्ति इस धरती पर रहने वाले हर इंसान के पास है। इससे जो खुशी मिलती है, वह ताउम्र हमारे साथ रहती है, यही हमें पूर्णता का एहसास कराती है, ऊर्जावान बनाती है। इस ताकत के साथ ही ऐसी दुनिया का निर्माण होता है, जिससे विद्वेष, युद्ध, अवनति जैसी नकारात्मक भावनाओं से दूर प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है।

सियोल घोषणापत्र पर मुख्य सचिव ने किए हस्ताक्षर

-आईआईएएस अध्यक्ष के रूप में बेहतर जनजीवन के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की साझा प्रतिबद्धता जताई
-सहयोग आधारित शासन, सामाजिक नवाचार और संसाधनों के जवाबदेह उपयोग पर जोर

सियोल/जयपुर (कासं)। राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने अंतरराष्ट्रीय प्रशासनिक विज्ञान संस्थान (आईआईएएस) के अध्यक्ष के रूप में गुरुवार को सियोल घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए। कोरिया गणराज्य के सियोल में आयोजित आईआईएएस 2026 सम्मेलन के दौरान उन्होंने लोक प्रशासन संस्थाओं और भागीदार संगठनों के प्रमुखों के साथ आर्थिक विकास को लोगों के जीवन में स्थायी सुधार से जोड़ने की साझा प्रतिबद्धता जताई। घोषणापत्र की पांच प्राथमिकताओं पर प्रकाश डालते हुए वी. श्रीनिवास ने कहा कि आर्थिक विकास का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचना चाहिए। इसके लिए सरकार की सक्रिय भूमिका के साथ उद्योग जगत, शैक्षणिक संस्थानों, नागरिक समाज और स्थानीय समुदायों के बीच सहयोग जरूरी है। उन्होंने नीति निर्माण में नागरिकों और जमीनी स्तर पर काम



करने वाले कार्मिकों की सार्थक भागीदारी पर भी जोर दिया।

सामाजिक नवाचार का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सामाजिक समस्याओं के सफल समाधानों की पहचान कर उन्हें व्यापक स्तर पर अपनाने की जरूरत है। कानूनी, संस्थागत और प्रशासनिक व्यवस्थाओं में सुधार से इस प्रक्रिया को गति दी जा सकती है। टेक्नोलॉजी और डेटा का जिम्मेदारी से उपयोग भी इन प्रयासों को मजबूत बनाने में सहायक होगा।

वी. श्रीनिवास ने संयुक्त अध्ययन, नीतिगत संवाद और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ज्ञान एवं अनुभवों के आदान-प्रदान के जरिए शोध को प्रशासनिक कामकाज से जोड़ने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक और निजी संसाधनों को ऐसी पहलों में लगाया जाना चाहिए, जिनसे समाज को मिलने वाले लाभों का ठोस आकलन किया जा सके। इसके लिए विश्वसनीय मूल्यांकन, पारदर्शिता और जवाबदेही महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने बताया कि भागीदार संस्थाएं इन सिद्धांतों को व्यावहारिक सहयोग में बदलने और अपनी प्रगति साझा करने का प्रयास करेंगी। राजस्थान के लिए यह सहभागिता जनसेवाओं और जनशिकायतों के निस्तारण से जुड़े अपने अनुभव अंतरराष्ट्रीय मंच पर रखने तथा दूसरे देशों की प्रभावी कार्यप्रणालियों से सीखने का अवसर प्रदान करती है। अन्य हस्ताक्षरकर्ताओं में इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ स्कूल्स एंड इंस्टीट्यूट्स ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन की अध्यक्ष प्रो. लीजेल लुएस, यूरोपियन ग्रुप फॉर पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन की अध्यक्ष प्रो. सबीने कुलमान और एशियन ग्रुप फॉर पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के अध्यक्ष प्रो. एको प्रासोजो शामिल रहे। आईआईएएस 2026 सियोल सम्मेलन की आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रो. यंग बम ली और 100× इम्पैक्ट के मुख्य कार्यकारी कियरन बॉयल (ओबीई) ने भी घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए।

राजस्थान में एआई और डिजिटल गवर्नेंस से आसान हो रहा आमजन का जीवन- मुख्य सचिव

सियोल/जयपुर (कासं)। राजस्थान के मुख्य सचिव एवं अंतरराष्ट्रीय प्रशासनिक विज्ञान संस्थान (आईआईएएस) के अध्यक्ष वी. श्रीनिवास ने कहा कि राजस्थान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल प्लेटफॉर्म और डेटा के प्रभावी उपयोग से लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने गुरुवार को सियोल में आईआईएएस के वार्षिक सम्मेलन के दौरान सिंगापुर, जापान और कोरिया गणराज्य के प्रमुख लोक प्रशासन विशेषज्ञों से संवाद में राज्य के अनुभव साझा किए। मुख्य सचिव ने सिंगापुर के प्रो. डॉ. लियू होंग, जापान के प्रो. डॉ. हिदेआकी शिरोयामा और कोरिया गणराज्य के प्रो. डॉ. यंग बम ली से बातचीत की। चर्चा का केंद्र 'एशियन मोमेंट इन ग्लोबल गवर्नेंस', यानी वैश्विक शासन में एशिया की उभरती भूमिका तथा लोक प्रशासन में नई सोच और नवाचार को आगे बढ़ाने में एशियाई देशों का योगदान रहा। वी. श्रीनिवास ने बताया कि एआई, डिजिटल प्लेटफॉर्म और डेटा आधारित निर्णयों के समन्वय से राजस्थान में जनसेवाएं बेहतर हुई हैं और नागरिकों का जीवन आसान बना है।

राजस्थान संपर्क 181 को इस बदलाव की एक महत्वपूर्ण केस स्टडी बताते हुए उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था लोगों के जीवन में सुधार का प्रभावी माध्यम बनी है। इसका अनुभव दर्शाता है कि टेक्नोलॉजी से प्रशासन को अधिक संवेदनशील, सुलभ और नागरिक केंद्रित बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पूंजी निवेश, अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी को अपनाना, संस्थानों के माध्यम से ज्ञान को बढ़ावा देना और नियम आधारित शासन राजस्थान की आर्थिक प्रगति के प्रमुख आधार हैं। ये आधार सतत आर्थिक विकास, संस्थानों की मजबूती और प्रशासन की कार्यक्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मुख्य सचिव ने प्रो. डॉ. लियू होंग द्वारा दिए गए ब्रेबां व्याख्यान 2026 में भी भाग लिया। 'ग्लोबल एशिया गवर्नेंस एज अ न्यू पैराडाइम' विषयक इस व्याख्यान में एआई, डिजिटल प्लेटफॉर्म और बिग डेटा के सहयोग से वैश्विक शासन में एशिया के बढ़ते प्रभाव तथा भविष्य की शासन व्यवस्था को दिशा देने में उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

न्यूज इनबॉक्स

विश्व शौचालय दिवस पर सार्वजनिक शौचालय में चला विशेष स्वच्छता अभियान

जयपुर (कासं)। विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर नगर निगम जयपुर के हवामहलङ्कआमेर जोन के वार्ड संख्या 140 में जलमहल के सामने स्थित सार्वजनिक शौचालय में विशेष स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान शौचालय परिसर की विशेष साफ-सफाई करवाकर उसे स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाया गया तथा आकर्षक रंगोली भी सजाई गई। कार्यक्रम के दौरान सफाई कर्मचारियों को शौचालय में उपलब्ध मशीनों एवं उपकरणों के उचित उपयोग और संचालन की जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में नियमित स्वच्छता बनाए रखने और आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर वार्ड स्वास्थ्य निरीक्षक दिलीप ने शौचालय केयरटेकर एवं सफाई कर्मचारियों के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें माला पहनाकर सम्मानित किया।

विद्युत निगमों में जेईएन के 869 पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा 29-30 नवंबर को

जयपुर (कासं)। राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम द्वारा राजस्थान राज्य के पांचों विद्युत निगमों में कनिष्ठ अभियंता-प्रथम के कुल 869 पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाइन प्रतियोगी परीक्षाएं 29 एवं 30 नवम्बर 2026 को राजस्थान के 12 जिलों में आयोजित की जा रही है। इस बार इलेक्ट्रिकल के 727 पदों पर, मैकेनिकल के 110 पदों पर और सिविल के 32 पदों पर भर्ती की जा रही है। कनिष्ठ अभियंता-प्रथम की ऑनलाईन भर्ती परीक्षा में सम्मिलित होने वाले सभी अभ्यर्थियों को प्रथम चरण में गुरूवार को उनकी परीक्षा की तिथि व समय और परीक्षा केन्द्र के जिले की सूचना जारी कर दी गई है। प्रत्येक अभ्यर्थी को यह सूचना एसएमएस एवं ई-मेल के माध्यम से दी गई है। द्वितीय चरण में इन अभ्यर्थियों का परीक्षा केन्द्र का नाम, उसका गूगल लिंक व परीक्षा संबंधी विस्तृत जानकारियाँ 25 नवम्बर को जारी किये जायेंगे। तब अभ्यर्थी पाँचों विद्युत निगमों की वेबसाईट से अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। इसी प्रकार कनिष्ठ सहायक/ वाणिज्यिक सहायक-द्वितीय के कुल 765 पदों पर भर्ती हेतु परीक्षा की तिथि व समय और परीक्षा शहर की सूचना 25 नवम्बर को और कनिष्ठ लेखाकार के 371 पदों हेतु 1 जनवरी, 2027 को जारी की जावेगी। इस बार विद्युत उत्पादन निगम ने परीक्षा केन्द्रों की जानकारी जारी करने में अतिरिक्त गोपनीयता बरतते हुये, परीक्षा संबंधी जानकारियाँ दो चरणों में जारी करने का निर्णय लिया है।

चिकित्सा विभाग में सहायक आचार्यों को नियुक्ति

जयपुर (कासं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बताया कि प्रदेश के चिकित्सा महाविद्यालयों में फैकल्टी की उपलब्धता बढ़ाने की दिशा में चिकित्सा शिक्षा विभाग ने 23 विशिष्टताओं में 209 चयनित सहायक आचार्यों के नियुक्ति आदेश जारी किए हैं। इससे चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता के साथ विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं को भी मजबूती मिलेगी। खींवसर ने बताया कि वर्ष 2021 में सहायक आचार्य भर्ती के लिए विज्ञप्ति जारी की गई थी, लेकिन विभिन्न न्यायालयीन प्रकरणों के कारण भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगी हुई थी। गत 6 नवम्बर 2026 को न्यायालय से रोक हटने के बाद विभाग ने आवश्यक कार्यवाही पूरी कर 18 नवम्बर को 209 अभ्यर्थियों के नियुक्ति आदेश जारी कर दिए हैं। शेष अभ्यर्थियों के आवेदन पत्र राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर से प्राप्त होने पर उनके नियुक्ति आदेश भी नियमानुसार जारी किए जाएंगे। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि जारी नियुक्तियों में जनरल सर्जरी के सर्वाधिक 41, स्त्री एवं प्रसूति रोग के 39, जनरल मेडिसिन के 31, शिशु रोग के 21, निश्चेतन के 20 तथा रेडियोडायग्नोसिस के 16 सहायक आचार्य शामिल हैं।

एरिया डॉमिनेशन अभियान के तहत जयपुर पुलिस की व्यापक कार्रवाई

जयपुर (कासं)। जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के मार्गदर्शन तथा स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओम प्रकाश के निर्देशन में अपराधों की रोकथाम एवं वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए 18 नवंबर को कमिश्नरेट के चारों जिलों में एरिया डॉमिनेशन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 191 पुलिस टीमों ने व्यापक स्तर पर कार्रवाई करते हुए 680 स्थानों पर चेकिंग की तथा विभिन्न मामलों में कुल 339 आरोपियों को गिरफ्तार किया। स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओम प्रकाश ने बताया कि अभियान के तहत जयपुर पूर्व में 58 टीमों द्वारा 252 स्थानों, जयपुर पश्चिम में 49 टीमों द्वारा 184 स्थानों, जयपुर उत्तर में 50 टीमों द्वारा 105 स्थानों तथा जयपुर दक्षिण में 34 टीमों द्वारा 139 स्थानों पर चेकिंग की गई। स्पेशल पुलिस कमिश्नर ने बताया कि अभियान के दौरान जयपुर पूर्व जिले में सर्वाधिक 140 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं, जयपुर पश्चिम में 66, जयपुर उत्तर में 83 तथा जयपुर दक्षिण में 50 आरोपियों की गिरफ्तारी की गई।

विश्व शौचालय दिवस पर पिंक टॉयलेट में स्वच्छता का संदेश, महिला केयरटेकर सम्मानित

जयपुर (कासं)। जयपुर नगर निगम के आदर्श नगर जोन के वार्ड संख्या 123 स्थित गोले मार्केट के पिंक टॉयलेट पर विश्व शौचालय दिवस 2026 के अवसर पर स्वच्छता जागरूकता गतिविधि का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पिंक टॉयलेट परिसर में आकर्षक एवं खूबसूरत रंगोली बनाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में वार्ड की महिला सफाई कर्मचारियों एवं वार्ड पार्षद श्रीमती पूनम मेहता जी का सफाई कर्मचारियों द्वारा फूलों की गुलदस्ता भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पार्षद श्रीमती पूनम मेहता जी ने पिंक टॉयलेट का निरीक्षण किया तथा उपस्थित महिला कर्मचारियों को पिंक टॉयलेट की उपयोगिता, महिलाओं के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित शौचालयों की आवश्यकता तथा व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने पिंक टॉयलेट में स्थापित सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन की उपयोगिता एवं कार्यप्रणाली के बारे में महिला कर्मचारियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस मशीन के माध्यम से महिलाओं को आवश्यकता पड़ने पर



आसानी से सेनेटरी नैपकिन उपलब्ध हो सकते हैं, जिससे महिलाओं की स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं को बढ़ावा मिलता है।

निरीक्षण के दौरान पिंक टॉयलेट में उत्कृष्ट साफ-सफाई एवं सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं से संतुष्ट होकर पार्षद श्रीमती पूनम मेहता जी ने वहां कार्यरत महिला केयरटेकर को पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया तथा उनके उत्कृष्ट कार्य की सराहना करते हुए 500 की नकद प्रोत्साहन राशि प्रदान की। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधाजनक शौचालयों की उपलब्धता सुनिश्चित करना, मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा सार्वजनिक शौचालयों के बेहतर रखरखाव के लिए कर्मचारियों को प्रोत्साहित करना रहा।

उपभोक्ता हितों की सुरक्षा हेतु पेट्रोल पम्पों पर सख्त कार्रवाई, प्रदेशभर में 58 निरीक्षण

कम मात्रा में पेट्रोल-डीजल देने के 3 मामले पकड़े, 5 नोजल जब्त, 39,000 जुर्माना

जयपुर (कासं)। उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा के निर्देशानुसार उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा एवं पेट्रोल पम्पों पर ईंधन की सही मात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विधिक मापविज्ञान प्रकोष्ठ द्वारा प्रदेशभर में पेट्रोल पम्पों के विरुद्ध सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 18 नवम्ब को प्रदेशभर में 58 पेट्रोल पम्पों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में 3 पेट्रोल पम्पों पर उपभोक्ताओं को निर्धारित मात्रा से कम पेट्रोल/डीजल दिए जाने की अनियमितता पाई गई। इन मामलों में 5 नोजल जब्त किए गए तथा 39,000 का जुर्माना लगाया गया। अजमेर के दोराई स्थित बीपी अजमेर पेट्रोल पम्प



पर जांच के दौरान प्रति 5 लीटर पेट्रोल/डीजल में 30 मिलीलीटर कम मात्रा देना पाया गया। साथ ही सत्यापन प्रमाण-पत्र भी प्रदर्शित नहीं किया गया था। इस पर पेट्रोल पम्प का एक नोजल जब्त किया गया तथा कम मात्रा देने पर 10,000 एवं सत्यापन प्रमाण-पत्र प्रदर्शित नहीं करने पर 1,000 का जुर्माना लगाया गया। जयपुर जिले के चाकसू स्थित चौधरी सर्विस स्टेशन एवं गोपाल पेट्रोलियम पर जांच के दौरान प्रति 5 लीटर पेट्रोल/डीजल में 5 मिलीलीटर कम मात्रा देना पाया गया। दोनों पेट्रोल पम्पों पर सत्यापन प्रमाण-पत्र भी प्रदर्शित नहीं थे। कार्रवाई करते हुए दोनों पेट्रोल पम्पों के 2-2 नोजल जब्त किए गए। प्रत्येक पेट्रोल पम्प पर कम मात्रा देने के लिए 10,000 तथा सत्यापन प्रमाण-पत्र प्रदर्शित नहीं करने के लिए 500 का जुर्माना लगाया गया। जयपुर जिले में कुल 11 पेट्रोल पम्पों का निरीक्षण किया गया, जिनमें 2 पेट्रोल पम्पों के 4 नोजल जब्त किए गए तथा कुल 21,000 का जुर्माना लगाया गया। विधिक मापविज्ञान प्रकोष्ठ द्वारा स्पष्ट किया गया है कि पेट्रोल पम्पों पर उपभोक्ताओं को निर्धारित मात्रा से कम ईंधन उपलब्ध कराने अथवा विधिक मापविज्ञान संबंधी अनिवार्य प्रावधानों का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। झआमजन से भी अपील की गई है कि पेट्रोल पम्पों पर ईंधन की मात्रा में कमी अथवा अन्य किसी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर इसकी शिकायत हेल्पलाइन नंबर 14435 पर दर्ज करवाएं।

बीबी-जी राम जी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभिन्न विभागों के बीच समन्वय पर जोर

जयपुर (कासं)। बीबी-जी राम जी योजना के तहत कन्वर्जेंस कार्यों की प्रगति की समीक्षा हेतु विभिन्न विभागों के साथ गुरूवार को शासन सचिवालय स्थित पंचायती राज हॉल में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ग्रामीण विकास विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने की। बैठक में योजना के अंतर्गत अनुमत 375 प्रकार के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई।

इन कार्यों को जल सुरक्षा, ग्रामीण आधारभूत संरचना, आजीविका संवर्धन तथा आपदा प्रबंधन एवं जलवायु अनुकूलन की चार प्रमुख श्रेणियों में शामिल किया गया है। बैठक में इन कार्यों को विभिन्न विभागों के समन्वय से प्रभावी रूप से धरातल पर उतारने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अमृत पोषण वाटिका, ग्रामीण हाट बाजार, पुस्तकालय एवं अटल ज्ञान केंद्र, अमृत संजीवनी पार्क, नर्सरी, अतिरिक्त कक्षा-कक्ष, सामुदायिक शौचालय, जलग्रहण विकास कार्य,



पशु चिकित्सालय, पशु आश्रय स्थल एवं चारा उत्पादन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को ग्राम पंचायत विकास योजना में शामिल कर क्रियान्वित करने के निर्देश दिए गए। शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि स्वीकृत कार्यों के लिए आवश्यक तकनीकी सहयोग, वित्तीय अभिसरण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि विभागों के आपसी समन्वय से ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार करने, जल सुरक्षा को मजबूत बनाने तथा आजीविका के नए अवसर सृजित करने में मदद मिलेगी। बैठक में जल संसाधन, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन, स्कूल शिक्षा, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, कृषि एवं उद्यानिकी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, पशुपालन, महिला एवं बाल विकास, पंचायती राज, सहकारिता, जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), राजीविका तथा प्रधानमंत्री आवास योजना सहित 17 विभागों के नोडल अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान श्रीमती पुष्पा सत्यानी, आयुक्त, बीबी-जी राम जी, श्रीमती मुन्नी मीणा, संयुक्त सचिव, श्रीमती संचिता बिश्नोई, निदेशक, बीबी-जी राम जी तथा संजय खंडेलवाल, अधिशासी अभियंता, बीबी-जी राम जी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

यूएई जाने से पहले पर्याप्त चिकित्सा बीमा जरूर करवाएं

जयपुर (कासं)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की यात्रा करने अथवा वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों को अचानक बीमारी या चिकित्सा आपात स्थिति में भारी खर्च से बचाने के लिए राजस्थान पुलिस की राज्य विशेष शाखा ने महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। इसमें यूएई जाने वाले भारतीय नागरिकों को यात्रा शुरू करने से पहले पर्याप्त और उपयुक्त चिकित्सा बीमा करवाने की सलाह दी गई है। साथ ही यूएई में पहले से रह रहे भारतीयों को भी अपने मौजूदा चिकित्सा बीमा की शर्तों और कवरेज की जांच करने के लिए कहा गया है। राज्य विशेष शाखा की ओर से 18 नवंबर 2026 को जारी परामर्श के अनुसार, भारतीय दूतावास तथा अबू धाबी, दुबई और उत्तरी अमीरात स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावासों के सामने ऐसे मामले आए हैं, जिनमें भारतीय नागरिकों को अप्रत्याशित बीमारी अथवा चिकित्सा आपात स्थिति का सामना करना पड़ा। पर्याप्त बीमा कवर नहीं होने के कारण उन्हें भारी चिकित्सा बिलों का भुगतान करना पड़ा, जो कई बार संबंधित व्यक्ति या उसके परिवार की आर्थिक क्षमता से बाहर हो गए। पर्यटन के लिए जाने वाले सभी भारतीय नागरिकों को यात्रा शुरू करने से पहले पर्याप्त और उचित चिकित्सा बीमा लेने की सलाह दी गई है।

नगर निगम की कार्रवाई, 4 केंटर जब्त; 1 हजार कैरिंग चार्ज वसूला



जयपुर (कासं)। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में गुरूवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में मुरलीपुरा सर्किल के चारों तरफ से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 1 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 4 केन्टर सामान जब्त किया गया।

उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में मुरलीपुरा सर्किल के चारों तरफ से अस्थाई अतिक्रमण को हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 4 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 1 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

शासन सचिव, कार्मिक विभाग ने किया राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 का निरीक्षण

जयपुर (कासं)। कार्मिक विभाग की शासन सचिव श्रीमती अर्चना सिंह ने गुरुवार को राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 का निरीक्षण कर यहां संचालित व्यवस्थाओं एवं परिवादों के निस्तारण की प्रक्रिया का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से हेल्पलाइन पर प्राप्त होने वाले परिवादों की प्रकृति, वर्गीकरण एवं निस्तारण की कार्यप्रणाली की जानकारी ली। श्रीमती सिंह ने कहा कि हेल्पलाइन के माध्यम से विभाग को प्राप्त होने वाले सभी प्रकरण अनिवार्य रूप से शिकायत की श्रेणी में नहीं आते, बल्कि इनमें नीतिगत विषयों, व्यक्तिगत मामलों एवं विभिन्न मांगों से संबंधित प्रकरण भी शामिल होते हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का उनकी प्रकृति के अनुरूप पृथक-पृथक वर्गीकरण किया जाए तथा विषयों का समुचित मॉडरेशन सुनिश्चित किया जाए। इससे प्रकरणों का सही विश्लेषण संभव हो सकेगा और प्रत्येक प्रकरण के अनुरूप समयबद्ध एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जा सकेगी। निरीक्षण के दौरान श्रीमती सिंह ने वीडियो कॉल के माध्यम से जयपुर निवासी परिवादी संजीव से भी संवाद किया। परिवादी द्वारा निर्धारित समयावधि में आईपीआर (वार्षिक संपत्ति विवरण) प्रस्तुत नहीं कर पाने की समस्या से अवगत कराने पर श्रीमती सिंह ने उन्हें आईपीआर प्रस्तुत करने की प्रक्रिया समझाते हुए इसकी अनिवार्यता के बारे में जानकारी दी।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल बिजौलियाँ जिला भीलवाड़ा (राज0)

क्रमांक : न.पा.बिजो./ 2026-27/2366, 2369 दिनांक : 17.11.2026

निविदा सूचना

कार्यालय नगर पालिका मण्डल बिजौलियाँ, भीलवाड़ा द्वारा आवश्यक कार्य कराने हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा सूचना राजस्थान लोक उपापन पोर्टल की ईप्रोक एवं एसपीपीपी पोर्टल पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है। जिसकी एनआईबी संख्या **DLB2627A9801, DLB2627A9802** व टेण्डर आईडी **2026_DLB_606021_1, 2026_DLB_606021_2, 2026_DLB_606022_1** है। अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/26/13435 नगरपालिका, बिजौलियाँ

RAJASTHAN STATE HIGHWAYS AUTHORITY, JAIPUR
GOVERNMENT OF RAJASTHAN

No. as per RajKaj No. Date:16.11.2026

Short Term NIT No. 19/2026-27

INVITATION OF BIDS FOR TOLL COLLECTION

Bids for Collection of User Fee through Fee Collecting Agency on the basis of Open Competitive Bidding for Toll Plazas of 03 Roads i.e. (Siwana-Samdari Balesar section of SH-66, Sayla Bagoda - Gudamalani section of SH-16B and Sanju-Tarnau section of SH-60) in the State of Rajasthan are invited from interested and eligible bidders up to 18:00 Hrs. on 25.11.2026.

Other particulars of bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in) of the state. The Total Estimated Potential Collection for 03 (three) months is Rs. 2,42,00,000/-

UBN No: PWD 2627SL0B15732
PWD2627SL0B15733
PWD 2627SL0B15734

Member (C & PPP)
RSHA, Jaipur

DIPR/C/18454/2026

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक कैलाश त्रिवेदी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43-ए, माली कॉलोनी चांदपोल बाहर जयपुर से मुद्रित एवं डी-38, प्रधानपथ, चौमू हाउस, सी स्कीम, जयपुर से प्रकाशित। सम्पादक कैलाश त्रिवेदी* । *पीआईबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार।
फोनः 0141-4038281, **Email:-** lokjeewanjpr@gmail.com **भीलवाड़ा कार्यालयः** 207-214, नागौरी गार्डन, लोकजीवन कॉम्पलेक्स, भीलवाड़ा। **फोनः** 01482-355985, Email:- lokjeewan@gmail.com, **मो.** 8306792625